महंगाई घटी, औद्योगिक उत्पादन में तेजी

दोहरी राहत...खाद्य कीमतों में नरमी से सितंबर की खुदरा महंगाई पांच महीने में सबसे कम

नई दिल्ली। सुधार की ओर तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को दोहरी राहत मिली है। खुदरा महंगाई दर पांच महीने के निचले स्तर फिसलने के साथ ही औद्योगिक उत्पादन में तेज बढ़त मिली। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मंगलवार को बताया कि सितंबर में खुदरा महंगाई की दर 4.35% पर आ गई, जो अप्रैल के बाद सबसे कम है।

4.35
फीसदी रही खुदरा महंगाई दर सितंबर में

एनएसओ के मुताबिक, खाद्य उत्पादों की महंगाई दर में नरमी से यह गिरावट आई। उपभोक्ता आधारित महंगाई सूचकांक अगस्त में 5.3% था, जबकि पिछले साल सितंबर में 7.27% रहा था। चालू वित्तवर्ष में अप्रैल और मई को छोड़ दिया जाए, तो खुदरा महंगाई दर 6% से नीचे ही रही है। सितंबर में खाद्य महंगाई दर 0.68% रही, जो एक महीने पहले 3.11% थी। कुल खुदरा महंगाई में खाद्य उत्पादों की हिस्सेदारी 50% से ज्यादा होती है। यही कारण है कि ईंधन की कीमतों में लगातार वृद्धि के बावजूद महंगाई दर में नरमी दिख रही है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) अगस्त में बढ़कर 11.9% पहुंच गया, जो जुलाई में 11.5% था। अगस्त, 2020 में महामारी के दबाव से औद्योगिक उत्पादन 7.1% घटा था। एजेंसी

विनिर्माण ने 11.9% बढ़ाया औद्योगिक उत्पादन

अगस्त में औद्योगिक उत्पादन की दर 11.9 फीसदी रही। यह तेजी विनिर्माण और खनन क्षेत्र में आए तेज सुधारों की वजह से रही। इन दोनो क्षेत्रों की वृद्धि दर कोविड पूर्व स्तर पर पहुंच गई है। एनएसओ के अनुसार, आईआईपी में 77.63 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर अगस्त में 9.7 फीसदी रही। खनन क्षेत्र ने भी 23.6 फीसदी और ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र ने 16 फीसदी की तेज बढ़त दर्ज की है। अगस्त, 2021 में आईआईपी 131.1 अंक रहा, जो पिछले साल अगस्त में 117.2 और कोविड पूर्व (अगस्त, 2019) में 126.2 था। चालू वित्तवर्ष में अप्रैल के बाद से एनएसओ ने आईआईपी के पूर्ण आंकड़े जारी करने शुरू किए। इसके बाद मई में आईआईपी 27.6 फीसदी, जून में 13.6 फीसदी और जुलाई में 11.5 फीसदी रहा।

निवेश में भी तेजी...*निवेश का पैमाना माने जाने वाले पूंजीगत उत्पादों की वृद्धि दर भी अगस्त में 19.9 फीसदी रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 14.4 फीसदी गिर गया था। उपभोक्ता टिकाऊ उत्पादों की विनिर्माण दर भी इस साल 8 फीसदी रही, जिसमें पिछले साल 10.2% गिरावट थी। उपभोक्ता गैर टिकाऊ उत्पादों की वृद्धि दर भी पिछले साल के 3% गिरावट से उबरकर 5.2% रही।*

खाद्य तेल ने बढ़ाई चिंता, 34.19 फीसदी उछाल

खुदरा महंगाई पर सबसे ज्यादा असर डालने वाले खाद्य उत्पादों में वैसे तो नरमी है, लेकिन पाम, सरसों जैसे खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतें चिंता का सबब बनी हुई हैं। सितंबर में सालाना आधार पर खाद्य तेलों की खुदरा महंगाई दर 34.19 फीसदी और अगस्त में 33 फीसदी थी। हालांकि, वनस्पति तेल की खुदरा महंगाई दर में 22.5 फीसदी की बड़ी गिरावट आई। आरबीआई ने 2021-22 में औसत खुदरा महंगाई दर 5.3 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है, जो दूसरी तिमाही में 5.1 फीसदी, तीसरी में 4.5 फीसदी और चौथी तिमाही में वापस 5.8 फीसदी पहुंच सकती है।

किस उत्पाद पर कितनी दर

सब्जियां	-22%
अंडे	-4.5%
फल	-4.2%
मांस-मछली	-0.40%
पेय पदार्थ	1.01%
ईंधन-बिजली	13.63%

दिल्ली में प्याज व टमाटर महंगे, 20 रुपये तक बढ़े दाम

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और कर्नाटक व महाराष्ट्र में बारिश से फसल खराब होने के कारण दिल्ली में सब्जियों के दाम बढ़ने लगे हैं। विक्रेताओं ने मंगलवार को बताया कि थोक और खुदरा कीमतों में तेजी से उछाल आ रहा है। सब्जियों की थोक कीमतें 15-20 रुपये तक बढ़ गई हैं, जिसका असर खुदरा बाजार पर भी दिखने लगा है। खुदरा विक्रेताओं के मुताबिक, टमाटर अभी 50-55 रुपये किलो बिक रहा, जो कुछ दिन पहले तक 40 रुपये के आसपास था। प्याज भी 50 रुपये किलो पहुंच गया है, जो कुछ दिन पहले 35-40 रुपये के भाव बिक रहा था। आपूर्ति में कमी की वजह से पिछले एक सप्ताह के भीतर ही कीमतें बढ़ गईं। गाजीपुर थोक मंडी के चेयरमैन एसपी गुप्ता ने कहा, प्याज और टमाटर के थोक मूल्य में 10-15 रुपये प्रति किलो तक इजाफा हो गया है। प्याज 40 रुपये प्रति किलो और टमाटर 900 रुपये का 25 किलो बिक रहा।